8 2.28

जनपद अलमोड़ा में पोखरी--मेरगांव मोटर मार्ग से कपिलेश्वर मोटर मार्ग के निर्माण हेतु प्रस्तावित समरेखन की भगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1. प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग अलमोड़ा के अन्तर्गत 10.00 कि0 मी0 लम्बाई में पोखरी--मेरगांव मोटर मार्ग से कपिलेश्वर मोटर मार्ग निर्माण हेतु प्रस्तावित है। अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0 अलमोड़ा के अनुरोध पर प्रस्तावित समरेखन का अधोहस्ताक्षरी के द्वारा दिनांक 13.12.2014 को सम्बधित कनिष्ठ अभियन्ता श्री अशोक सिंह के साथ निरीक्षण किया गया।

2. जनपद अल्मोड़ा मे जागेश्वर विधान सभा के अन्तर्गत, पोखरी मेरगांव मोटर मार्ग से कपिलेश्वर मोटर मार्ग का 10.00 कि0मी0 की लम्बाई मे निर्माण कार्य स्वीकृत है। प्रस्तावित समरेखन मेरगांव से आरम्भ होता है तथा स्वीकृत 10.00 कि0मी0 लम्बाई में अभी कपिलेश्वर से पूर्व समाप्त होता है। इस मार्ग के निर्माण से मेरगांव, गुठोली, सुड़सीमा, बैसोड़ी, एवं उनीड़ा आदि लाभान्वित होंगे। प्रस्तावित समरेखन कि0मी0 10.00 म फडका नदी को पार करता है, जिस पर सेतु के निर्माण की आवश्यकता होगी। समरेखन में **5** हेयर पिन बैंड्स हैं, जो कमशः कास सैक्शन 0/40, 1/18, 2/2, 6/18, 8/14, में दिये गये है। अवगत कराया गया कि समरेखन की अधिकांश लम्बाई नाप भूमि से होकर गुजरती है तथा कुछ भाग में वन पंचायत भूमि तथा वन भूमि है। समरेखन के कि0मी0 10.00 में एक छोटा surficial slide है तथा मार्ग की लगभग 50 मी0 लम्बाई इससे होकर गुजरेगी। समरेखन क्षेत्र में अल्मोड़ा ग्रुप की चट्टान है, जिसमें मुख्यतः mica schist तथा micaceous quartzite है। ये चट्टान स्थान--स्थान पर weathered है। चट्टानो के उपर मिट्टी/डेब्री का ओवर बर्डन है। समरेखन क्षेत्र में भूमि का ढलान सामान्यतः 20^0 से 45^0 के मध्य प्रतीत होता है।

3- समरेखन क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिति, भू- आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुये निम्न सुझाव दिये जा रहे है, जिन्हे प्रस्तावित मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।

(i) यथासम्भव मार्ग की पूरी चौडाई कटान करके प्राप्त की जाये। यह भविष्य मे मार्ग की स्थिरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जहाँ रिटेनिंग दीवार का निर्माण अपरिहार्य हो वहाँ इनका निर्माण फर्म स्ट्रेटा पर समुचित परिकल्पना के आधार पर कराया जायें।

(ii) यह सुनिश्चित किया जाये कि समरेखन में प्रस्तावित हेयर पिन बैण्ड कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानीपूर्वक बनाये जायें।

(iii) तीव्र ढलान में मार्ग की एक से अधिक आर्म्स की स्थिति को avoid किया जाना चाहिये।

(iv) कि0 मी0 10 मे जहां स्लाईड है, उस भाग को मार्ग निर्माण के समय avoid किया जाना चाहिये। अन्यथा वहां मार्ग का निर्माण सावधानीपूर्वक कराया जाये तथा स्लाईड वाले भाग के स्थिरीकरण हेतु आवश्यकतानुसार दीवार निर्माण, ड्रेनेज सुधार एवं plantation आदि से सम्बन्धित कार्य कराये जाये।

(v) सेतु का निर्माण उपयुक्त स्थल पर भूगर्भीय राय के आधार पर कराया जाये।

(vi) समरेखन के समीप स्थित घरों से सुरक्षित दूरी रखते हुये बिना विस्फोटकों का प्रयोग किये मार्ग कटान किया जाये।

(vii) समरेखन में अपेक्षाकृत तीव्र पहाड़ी ढलान वाले भाग में सावधानीपूर्वक मार्ग कटान किया जाये जिससे कोई अस्थिरता उत्पन्न न हो।

(viii) जहाँ मार्ग कटान की ऊंचाई अधिक हो और स्ट्रेटा कमजोर हो, विशेष रूप से बैण्डस पर एवं आबादी वाले भाग मे ,मार्ग कटान के साथ–साथ समुचित ब्रेस्ट वाल का निर्माण कराया जाये।

(ix) जहाँ आवश्यक हो, मार्ग के ऊपर व नीचे पहाड़ी ढलान पर समुचित पौधों का रोपण किया जाये, जिससे ढलानों पर भूक्षरण की प्रकिया को नियंत्रित रखा जा सके।

(x) वर्षा के पानी की समुचित निकासी हेतु रोडसाईड ड्रेन एवं स्कपर का प्रावधान किया जायें। यह भी सुनिश्चित किया जाये कि स्कपर के पानी से भूक्षरण न हो।

(xi) पर्वतीय क्षेत्र मे मार्ग के लिये निर्धारित सिविल अभियांत्रिकी के अन्य मानको एवं विशिष्टियों का भी पालन किया जायें।

5– मार्ग के नवनिर्माण विषयक स्थायित्व सम्बन्धी बिन्दु:–

मार्ग कटान के पश्चात हिल साईड में जिस स्थान पर over burden material होगा तथा पहाडी ढलान slope forming material के angle of repose से अधिक होगा उस भाग मे वर्षाकाल में पहाड़ी ढलान के अस्थिर होने की सम्भावना हो सकती है।

6 पोखरी–मेरगांव मोटर मार्ग से कपिलेश्वर मोटर मार्ग 10 कि0 मी0 लम्बाई का प्रस्तावित समरेखन वर्तमान परिस्थितियों में उपरोक्त सुझावों के साथ मार्ग निर्माण के लियें उपयुक्त प्रतीत होता है। इस हेतु प्रस्तावित भूमि भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त है।

टिप्पणी.–

भूमि हस्तातरण की दृष्टि से समरेखन क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एवं खण्ड द्वारा उपलब्ध कराये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है। मार्ग कटान के पश्चात स्थिति मे परिवर्तन भी सम्भव है। समरेखन/मार्ग पर किसी विशिष्ट बिन्दु पर यदि सुझाव की आवश्यकता हो तो उसे अलग से अवगत कराया जाये।

H. Kumar
7.1.15

(हर्ष कुमार)
वरि0 भूवैज्ञानिक (से0नि0)
लोक निर्माण विभाग